तेरे दर को मै छोड़ कहा जाऊं लिरिक्स

तेरे दर को में छोड़ कहा जाऊं
ना दूजा कोई द्वार ना दिखे

तुझ विन जीना भी क्या जीना
तेरा दर ही मेरा ठिकाना
हो तेरे दर को मे.....

तेरा दर्शन जब में पाऊ
दुनिया के गम भूल ही जाऊ
हो तेरे दर को में.....

इतनी कृपा बस हम पर कर दे
नाम तेरा गाऊ मुझे यही वर दे
हो तेरे दर को मे....